यूपी और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच ग्रीन हाइड्रोजन पर समझौता

निवेश

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच शुक्रवार को ग्रीन हाइड्रोजन पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दस्तखत हुए। इसके तहत यूपी में हर साल एक मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की मौजूदगी में हुए समझौते में यामानाशी मॉडल और पावर टू गैस (पी2जी) तकनीक पर पायलट परियोजना शुरू होगी।

शर्मा ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन स्वच्छ ऊर्जा का महत्वपूर्ण आधार है। यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी और कनाडेविया कॉरपोरेशन के सहयोग से पायलट परियोजना शुरू होगी।

जापान एक्सपो में हिस्सा लेगा यूपी

पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। जापानी पक्ष ने सितंबर में आयोजित होने वाले टूरिज्म एक्सपो जापान 2026 में उत्तर प्रदेश की सहभागिता का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की ओर से इसमें सहभागिता की सहमति दी। वर्ष 2025 में 2.19 लाख जापानी नागरिकों ने भारत की यात्रा की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.5 प्रतिशत अधिक है। उत्तर प्रदेश के बौद्ध, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन स्थलों में जापानी पर्यटकों के लिए व्यापक संभावनाएं हैं।

सेमीकंडक्टर में मदद के लिए टीम जल्द आएगी

भारत और जापान सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग को लेकर सहमत हैं। भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट के दौरान बताया कि जापान के प्रधानमंत्री ताकाइची की भारत यात्रा के दौरान सेमीकंडक्टर को जापान-भारत आर्थिक सुरक्षा सहयोग के पांच प्राथमिक क्षेत्रों में शामिल किया गया है। जापानी पक्ष ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए अपनी टीम को उत्तर प्रदेश भेजने की बात कही। इस दौरान निवेश, प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, मानव संसाधन विकास और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग पर व्यापक चर्चा हुई।